दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका :जुलाई-2022

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helplin Email** : dnpgonline@gmail.com

Offiical Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:जुलाई- 2022

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो. उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य
प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

July-2022

प्राचार्य की कलम से.....

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीयता की त्रिवेणी प्रवाहित करने के दिव्य संकल्प के साथ वर्ष 1969 में स्थापित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ई–पत्रिका दिगंत के नवीन संस्करण का प्रकाशन कर रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण के उद्देश्य से श्री गुरू गोरक्षनाथ मन्दिर ने सन् 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। वर्तमान में यह परिषद हमारे परम् पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में शिक्षा के क्षेत्र में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। शहर के हृदय स्थल में स्थित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर अपने संस्थापको द्वारा देखे गये शैक्षिक पुनर्जागरण के स्वप्न को साकार करने की दिशा में निरन्तर संकल्पबद्ध है। इस संस्था का उद्देश्य ऐसे योग्य, चरित्रवान एवं समर्पित आदर्श नागरिकों का निर्माण करना है, जिनके द्वारा भारतीय संस्कृति के सनातन आध्यात्मिक मूल्यों एवं परम्पराओं को निरन्तर सम्पोषित एवं संवर्द्धित करते हुए एक सशक्त, समर्थ एवं समृद्ध राष्ट्र की स्थापना का स्वप्न साकार हो सके। हमारा संकल्प है कि भारत अपनी ज्ञान परम्परा की विरासत के प्रकाशन से पुनः विश्व गुरू के पद पर प्रतिष्ठित हो सके। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में सतत, प्रयत्नशील इस महाविद्यालय ने विगत वर्ष नैक प्रत्यायन में B++ ग्रेडिंग प्राप्त की है और मेरा विश्वास है कि प्रत्यायन के अगले चरण में महाविद्यालय को निश्चित रूप से A+ ग्रेड प्राप्त महाविद्यालयों की श्रेणी में गिना जायेगा। शिक्षण एवं अनुशासन इस महाविद्यालय की गौरव गाथा का कीर्ति स्तम्भ है। पठन–पाठन के अतिरिक्त यह संस्था विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरन्तर अकादमिक, सामाजिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों, परिचर्चाओं, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करती रहती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की दृष्टि से महाविद्यालय की एक समृद्ध परम्परा रही है। महाविद्यालय के पुरातन छात्रों एवं अभिभावकों के अनुभवों एवं संस्था की बेहतरी के लिए समय–समय पर प्राप्त सुझावों एवं मार्गदर्शन से लाभान्वित होते हुए यह संस्था आज गोरखपुर शहर के एक श्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में जानी जाती है। हमने 'स्वच्छ भारत–श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते हुए विद्यार्थियों के साथ–साथ प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए अनुकूल वातावरण, हरे–भरे स्वच्छ परिसर की स्थापना का प्रयास किया है।

मेरा विश्वास है कि शिक्षा वह प्रकाशपुंज है जिसके आलोक से प्रकाशित होते हुए व्यक्ति एवं समाज दोनो ही राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते है और जीवन में आने वाली बड़ी से बड़ी चुनौतियों का धैर्य पूर्वक सामना कर सकते हैं। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर शिक्षा के माध्यम से भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों, विचारों एवं महान सांस्कृतिक परम्पराओं के उन्नयन, सम्पोषण एवं संवर्द्धन की दिशा में सतत प्रयत्नशील हो, यही मेरी हार्दिक इच्छा है और शुभकामना भी।

प्रो.ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य

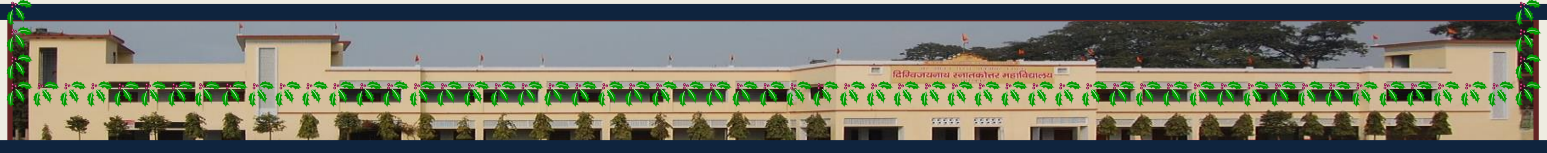

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	09.07.2022 शनिवार	राष्ट्रीय सेवा योजना	पर्यावरण संरक्षण हेतु पौध रोपण कार्यक्रम	1
2.	22.07.2022 शुक्रवार	महाविद्यालय	हर घर तिरंगा को लेकर बनी रणनीति	2
3.	26.07.2022 मंगलवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	कारगिल संघर्ष के बाद भारतीय सुरक्षा व्यवस्था का कायाकल्प	3

JULY-2022

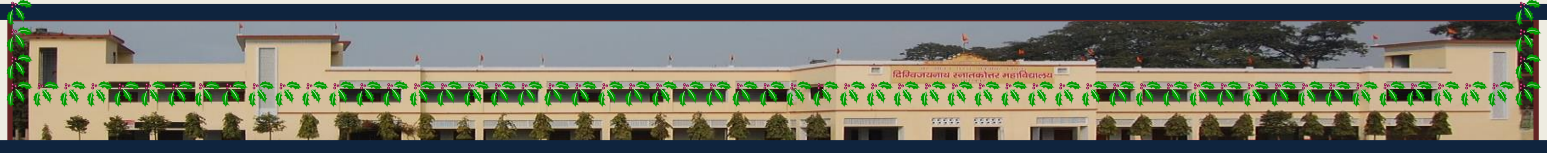

पर्यावरण संरक्षण हेतु पौध रोपण कार्यक्रम

दिनांक 09 जुलाई 2022 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाइयों महाराणा प्रताप, गोरक्षनाथ, सुभाष व मीराबाई इकाई के द्वारा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाये जा रहे वन महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम सत्र में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन दिग्वियजनाथ महिला छात्रावास के प्रांगण में किया गया। दूसरे सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा से ही हमारा जीवन बच पायेगा। जब पेड़–पौधे होंगे तभी पर्यावरण सुरक्षित होगा।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर बनी रणनीति

दिनांक 22 जुलाई 2022 को महाविद्यालय में **आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता सप्ताह (11 अगस्त से 17 अगस्त तक) हर घर तिरंगा कार्यक्रम** को लेकर जनपद के समस्त प्राचार्यों की बैठक हुई। इसमें कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति तय हुई। **मुख्य अतिथि जिला कल्याण अधिकारी श्री वशिष्ट नारायण सिंह** ने फ्रीडम वाक की चर्चा करते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानियों की वेश–भूषा में लोकगीत व झंडा गीत के साथ रैली निकालेंगे। साथ ही 11 अगस्त से 17 अगस्त के बीच में महाविद्यालय द्वारा लेखन, पेन्टिंग, श्लोगन आदि प्रतियोगिता आयोजन किया जायेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर डॉ. अश्वनी कुमार मिश्र ने किया। विशिष्ट अतिथि दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. दीपक त्यागी, क्षेत्रीय नोडल अधिकारी डा. कुमुद त्रिपाठी रही। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ने कहा कि महाविद्यालय के सभी प्राचार्य, शिक्षक मिलकर हर–घर तिरंगा अभियान को सफल बनावें। **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि भारत उत्सवधर्मिता के लिए जाना जाता है विकसित सांस्कृतिक कार्यक्रमो की तरह हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

कारगिल संघर्ष के बाद भारतीय सुरक्षा व्यवस्था का कायाकल्प

दिनांक 26 जुलाई .2022 को महाविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित कारगिल विजय दिवस के अवसर पर **'कारिगल युद्ध के दो दशक, भारतीय रक्षा सामर्थ्य'** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य अतिथि प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय गोरखपुर** थे। **मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि** कारगिल युद्ध के बाद भारत सरकार द्वारा गठित। समिति ने **के.सुब्रमण्यम** समिति के रिपोर्ट के आधार पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ पद का सृजन हुआ। **अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान का एक छद्म युद्ध था। जिसमें पाकिस्तान के जनरल ने अपने निर्वाचित सरकार को भी सूचित नहीं किया था। उस समय के तत्कालिक सेना अध्यक्ष जनरल परवेज मुशर्रफ और कुछ अधिकारियों को ही कारगिल घुसपैठ का पता था। पाकिस्तान पूर्व के युद्धों से यह जान गया था कि वह प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में भारत से नही जीत सकता इसलिए उसने छद्म युद्ध के रूप में कारगिल युद्ध का सहारा लिया।